एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 12 (दिसम्बर, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

हिमाचल में कॉफी: मिट्टी की खुशबू से जन्म लेती नई संभावना

*डॉ. अंशू
सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: sharotrianne2476@gmail.com

हिमाचल प्रदेश के मध्य-पर्वतीय क्षेत्रों में अरेबिका कॉफी की खेती की संभावनाएँ तेजी से उभर रही हैं। कांगड़ा, सिरमौर, सोलन और कुल्लू जैसी घाटियों की मिट्टी और मौसम कॉफी के लिए स्वाभाविक रूप से अनुकूल हैं। हल्का अम्लीय pH, बलुई दोमट बनावट, पर्याप्त जैविक पदार्थ और अच्छा जल निकास यहाँ की मिट्टी को कॉफी के लिए उपयुक्त बनाते हैं। प्रारंभिक प्रयोगों से पता चला है कि हिमाचल की कॉफी में उच्च घनत्व, अधिक सुगंध और विशेष फ्लेवर पाया जाता है। उचित प्रबंधन और मिट्टी सुधार के साथ यह फसल किसानों को नया आर्थिक विकल्प और "हिमालयन माउंटेन कॉफी" ब्रांड की पहचान दिला सकती है।

कीवर्ड

- हिमाचल प्रदेश
- अरेबिका कॉफी
- मिट्टी की अनुकूलता
- स्पेशलिटी कॉफी
- कृषि विविधीकरण
- माउंटेन कॉफी

पहाड़ों में कॉफी की नई कहानी

जब हम कॉफी की बात करते हैं तो दिमाग में सबसे पहले कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु की हरियाली आती है। लेकिन अब हिमाचल की वादियाँ भी धीरे-धीरे इस सुगंध से भरने लगी हैं। सेब, कीवी और ऑफ-सीजन सब्ज़ियों के बाद अब किसान "माउंटेन कॉफी" की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

कांगड़ा, सिरमौर और सोलन की घाटियों में कुछ प्रगतिशील किसानों ने कॉफी के पौधे लगाए हैं। सुबह की ठंडी हवा और पहाड़ी मिट्टी में जब ये पौधे जड़ें जमाते हैं तो लगता है मानो हिमाचल की धरती एक नई कहानी लिख रही हो।

मौसम और मिट्टी: कॉफी की असली साथी

कॉफी केवल मौसम से नहीं, बल्कि मिट्टी से भी अपना रिश्ता जोड़ती है।

- **तापमान**: अरेबिका कॉफी 15–24°C में सबसे अच्छी होती है। हिमाचल के 900–1500 मीटर ऊँचाई वाले क्षेत्र इस सीमा में आते हैं।
- **मिट्टी का pH**: कॉफी को हल्की अम्लीय मिट्टी चाहिए (5.0–6.0)। हिमाचल की ब्राउन हिल मिट्टियाँ इसी दायरे में हैं।
- **बनावट**: बलुई दोमट मिट्टी कॉफी के लिए आदर्श है—और यही बनावट यहाँ मिलती है।
- **जैविक पदार्थ**: वन क्षेत्र के कारण मिट्टी पहले से ही कार्बनिक पदार्थों से भरपूर है। गोबर खाद, पत्ती कम्पोस्ट और वर्मीकम्पोस्ट इसे और समृद्ध बना सकते हैं।
- **गहराई**: कॉफी की जड़ों को कम से कम 1 मीटर गहराई चाहिए। कांगड़ा और सिरमौर की घाटियाँ यह सुविधा देती हैं।

जिलेवार संभावनाएँ

- **कांगड़ा**: नेपाल की अरेबिका बेल्ट जैसी मिट्टी और मौसम। उच्च संभावनाएँ।
- **सिरमौर (राजगढ़–नाहन)**: गहरी, नमीदार मिट्टी और छाया। कॉफी–अदरक/हल्दी इंटरक्रॉप का बेहतरीन अवसर।
- **सोलन**: ऊँचाई पर बुटीक कॉफी का अच्छा स्कोप।

- **मंडी–बिलासपुर**: प्रयोगात्मक क्षेत्र, गर्मियों में सिंचाई की ज़रूरत।
- **कुल्लू (निचला भाग)**: पाले से बचाव के साथ संभावनाएँ।

किसानों के लिए व्यावहारिक सुझाव

- **pH सुधार**: यदि मिट्टी 6.5 से ऊपर है तो गंधक या चीड़ की पत्ती कम्पोस्ट मिलाएँ।
- **जैविक पदार्थ बढ़ाएँ**: हर साल 8–10 किलो गोबर खाद और 2 किलो वर्मीकम्पोस्ट प्रति पौधा।
- **जल निकास**: ढलान और रन-ऑफ ट्रेंच बनाएँ।
- **छाया प्रबंधन**: ग्रेविलिया, सिल्वर ओक या टूना जैसे पेड़ लगाएँ।

"हिमालयन माउंटेन कॉफी" का सपना

धीमी गति से पकने वाली कॉफी के दाने अधिक सुगंधित होते हैं। यही कारण है कि हिमाचल की कॉफी में विशेष स्वाद और खुशबू पाई गई है। सीएसके-एचपीकेवी और स्थानीय किसानों के प्रयोग बताते हैं कि यहाँ की कॉफी में **बेहतर घनत्व, अधिक सुगंध और उच्च गुणवत्ता का फ्लेवर** है।

कल्पना कीजिए—कल को जब कोई पर्यटक कांगड़ा या सिरमौर आएगा तो सेब के बाग़ों के साथ-साथ उसे पहाड़ी कॉफी की महक भी मिलेगी। यह महक हिमाचल को "हिमालयन अरेबिका कॉफी" के नाम से विश्व बाज़ार में पहचान दिला सकती है।

निष्कर्ष

हिमाचल की मिट्टी और मौसम कॉफी के लिए स्वाभाविक रूप से अनुकूल हैं। सही प्रबंधन के साथ यह फसल किसानों को नया आर्थिक विकल्प दे सकती है। आने वाले वर्षों में शायद सेब की खुशबू के साथ कॉफी की सौंधी महक भी इन वादियों में तैरेगी।

संदर्भ (References)

1. हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग (2014–15). *चाय एवं कॉफी उत्पादन योजना*. हिमाचल प्रदेश सरकार। उपलब्ध: https://agriculture.hp.gov.in/en/our-scheme/tea-cultivation-scheme-cofee-production/
2. हिल पोस्ट (2023). *हिमाचल प्रदेश में कॉफी खेती के माध्यम से फसल विविधीकरण के प्रयास*. उपलब्ध: https://hillpost.in/2023/08/efforts-being-made-towards-crops-diversification-through-coffee-cultivation-growers-scientists-and-industry-experts-hold-discussions-on-coffee-cultivation-in-hp/121068/
3. द न्यूज़ हिमाचल (2023). *कॉफी खेती: हिमाचल प्रदेश में नई नकदी फसल की संभावनाएँ*. उपलब्ध: https://thenewshimachal.com/2023/08/exploring-coffee-cultivation-for-crop-diversification-himachal-pradeshs-push-towards-a-new-cash-crop/
4. वाजिराम एंड रवि (2023). *भारत में कॉफी उत्पादन – जलवायु और मिट्टी की आवश्यकताएँ*. उपलब्ध: https://vajiramandravi.com/current-affairs/coffee-production-in-india/
5. ग्लोबल ट्रेड ब्रिज (2025). *भारतीय कॉफी की किस्में, स्वाद और उत्तरी क्षेत्रों में कॉफी खेती*. उपलब्ध: https://www.globaltradebridge.net/exploring-indian-coffee-varieties-flavor-profiles-cupping-notes-and-northern-coffee-plantations
6. द कॉफी होराइजन (2025). *हिमालयन कॉफी गाइड – बीन्स, स्वाद और खरीद विकल्प*. उपलब्ध: https://thecoffeehorizon.com/himalayan-coffee/